ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

घर बैठे कोई ताज व तख्त देने आये तो क्या करेंगे? बाप भी अभी आत्माओं के घर में मेहमान बन आये हैं ना। घर बैठे ताज व तख्त की सौगात देने आये हैं। ताज व तख्त को छोड़ कहाँ चले जाते हो, मालूम है? माया का कोई निवास-स्थान है? आप भी सर्वव्यापी कहते हो वा आप लोगों के सिवाय और सभी जगह है? आपने 63 जन्मों में कितनी बार माया को ठिकाना दिया होगा! उसका परिणाम भी कितनी बार देखा होगा। जो बहुत बार के अनुभवी फिर भी वह बात करें तो क्या कहेंगे? जैसे दिखाते हैं ना ताज वा तख्त छोड़ जंगल में चले जाते हैं तो यहाँ भी कांटों के जंगल में चले जाते हो। कहाँ तख्त, कहाँ काटों का जंगल। क्या पसन्द है? **जैसे कोई भक्त वा श्रृंगार करने वाले नियम प्रमाण नहा- धोकर अपने मस्तक पर तिलक ज़रूर लगाते हैं। श्रृंगार के कारण, भक्ति के कारण और सुहाग के कारण भी तिलक लगाते हैं। तो ऐसे ही अमृतवेले तुम अपने को ज्ञान-स्नान कराते हो, अपने को ज्ञान से सजाते हो। तो अमृतवेले वैसे यह स्मृति का तिलक देना चाहिए। लेकिन अमृतवेले यह स्मृति का तिलक देना भूल जाते हो। अगर कोई तिलक देते भी हैं तो फिर मिटा भी लेते हैं। जैसे कइयों की आदत होती है — बार-बार मस्तक को हाथ लगाकर तिलक मिटा देते हैं। अभी-अभी तिलक देंगे, अभी-अभी मिटा देंगे। ऐसे ही यह भी बात है। कोई को तिलक देना भूल जाता है, कोई देते हैं फिर मिटा देते हैं। तो लगाना और मिटाना — दोनों ही काम चलते हैं। तो अमृतवेले का यह स्मृति का दिया हुआ तिलक सदैव कायम रखते रहो तो सुहाग, श्रृंगार और योगीपन की निशानी सदैव आपके मस्तक से दिखाई देगी।**

AMRITVELA

What would you do if, while you are sitting at home, someone comes to give you a crown or a throne? Baba has come as the Guest to the home of souls. He has come to give you the gifts of a crown and a throne while you are sitting at home. Where do you go when you leave aside the crown and the throne? Do you know? Does Maya have any place of residence? Do all of you also say that she is omnipresent, or, is it that she exists everywhere other than where you are? How many times in 63 births would you have given a place to Maya? You have probably seen the result of that many times too. What would you say if someone repeats doing the same thing, even after having had the experience of it many times? It is shown that some put aside their crown and their throne and go away into a jungle. So, here, too, you go into the jungle of thorns. There is so much difference between a throne and a jungle of thorns. Which do you prefer? **According to their discipline, devotees or those who decorate the idols apply a tilak on their forehead after first bathing or washing. A tilak is applied as a decoration or as part of worship or as a sign of being married. So, in the same way, at Amrit vela, you bathe yourself in knowledge and decorate yourself with knowledge, and so you should also give yourself the tilak of this consciousness. However, at Amrit vela, you forget to give yourself this tilak of consciousness. If someone puts a tilak on you, you wipe it off. Many have the habit of rubbing their forehead and wiping off the tilak. One moment a tilak would be applied and the next moment they would rub it off. It is the same here. Some forget to put on a tilak, and others put it on and then rub it off. They do both the tasks of applying it and then rubbing it off. So, constantly keep with you at all times the tilak of the consciousness given at Amrit vela, and then the sign of being married, the decoration and of being a yogi will constantly be visible on your forehead.**

मुझे मेरे भगवान से मतलब है बस
वो मेरी जिंदगी का रखवाला है और क्या चाहिए
Brahmakumari Leena
मेरा प्यारा शिव बाबा

माँ बाप की दुआ
सदा उन बच्चो
के लिए है.. जो
सर्व के
शुभचिंतक है..
आप सबको दिवाली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
Tapovan

सच्चे साथी का साथ

कोई भी काम है
पहले शिवबाबा की याद आये
क्योंकि सच्चा मित्र बाबा है
सच्चे साथी का साथ लेंगे
तो सहज ही सर्व से न्यारे
और प्यारे बन जायेंगे

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

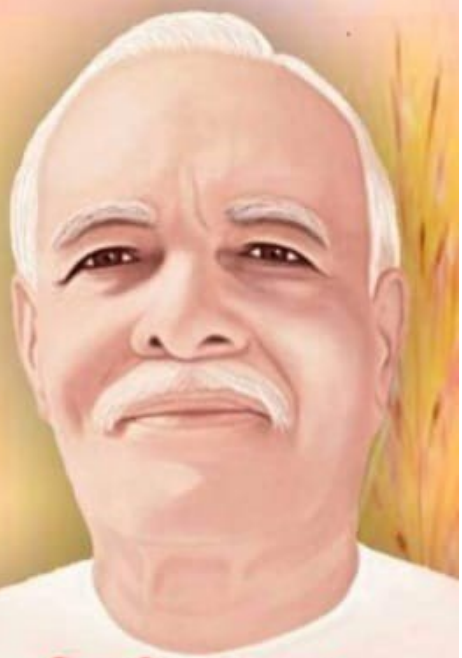

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

गुणों की कमी का पेपर

हर आत्मा के प्रति सदा उपकार अर्थात् शुभ भावना और श्रेष्ठ कामनायें। हर आत्मा को देखते हुए ऐसे अनुभव हो कि यह सर्व-आत्माएँ जैसे कि बाप के हर समय स्नेही और सहयोगी बनने के लिए स्वयं को कुर्बान कर देते हैं। ऐसे कुर्बान करने के निमित्त क्यों बनते? - क्योंकि बाप सब के आगे स्वयं कुर्बान होते हैं। सर्व के सामने स्वयं को सब शक्तियों समेत सेवा में समर्पित किया है। अपने समय को, सुखों को, प्राप्ति की इच्छा को सर्व के प्रति महादानी बन दाता बने। ऐसे फॉलो फादर स्वयं के प्रति नाम, शान, मान सर्व प्राप्ति की इच्छा को कुर्बान करने वाले ही परोपकारी बन सकते हैं। लेने की इच्छा छोड़ देने वाले महादानी ही परोपकारी बन सकते हैं। ऐसे ही सत्कारी सर्व के प्रति सत्कार की भावना हो - सत्कारी बनने के लिए स्वयं को सर्व के सेवाधारी समझना पड़े। सेवाधारी की परिभाषा भी गुह्य है। सिर्फ स्थूल सेवा व वाणी द्वारा सेवा, सम्पर्क द्वारा सेवा, सेलवेशन द्वारा व भिन्न-भिन्न प्रकार के साधनों द्वारा सेवा करना, सिर्फ इतना ही नहीं, अपने हर गुण द्वारा दान करना व दूसरों को भी गुणवान बनाना, स्वयं के संग का रंग चढ़ाना, यह है श्रेष्ठ सेवा। अवगुण को देखते हुए भी नहीं देखना। स्वयं के गुणों की शक्ति द्वारा अन्य के अवगुणों को मिटा देना अर्थात् निर्बल को बलवान बनाना। निर्बल को देख किनारा नहीं करना है व थक नहीं जाना है। लेकिन होपलेस केस को भी स्वयं की सेवा द्वारा अपने श्रेष्ठ स्वमान में स्थित हो सम्मान देने के द्वारा सर्व के सत्कारी बन सकते हैं। स्वयं के त्याग द्वारा अन्य को सत्कार देते हुए अपना भाग्य बनाना है। छोटा, बड़ा, महारथी व प्यादा सर्व को सत्कार की नजर से देखो। सत्कार न देने वाले को भी सत्कार देने वाला, ठुकराने वाले को भी ठिकाना देने वाला, ग्लानि करने वाले के भी गुणगान करने वाला, ऐसे को कहा जाता है सर्व-सत्कारी। -- 10-02-1975

Achanak Aur Eveready

"be aware that our vibrations influence our environment.

Let's radiate joy into air.
Infuse love into water.
Ignite fire with faith.
Fill space with hope.
Bow to Earth in gratitude."

-BK Shivani

मुश्किल वक्त में आपने उनको सहयोग दिया,
आपने तन, मन, धन से उनकी मदद की,
क्योंकि वह आपकी विशेषता है।

अपनी सारी विशेषताओं के साथ
एक और विशेषता अपना लें -
यह अपेक्षा नहीं रखना के
उनके अंदर भी वही विशेषता होगी।
उनकी विशेषताएं आपसे अलग हैं।

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org